Nai Dunia (Indore), 24th May 2025, Indore City Page – I

हार्ट अटैक पर तुरंत मिलेगा उपचार आइआइटी ने तैयार की यह डिवाइस

सुविधा ● डिवाइस के माध्यम से विभिन्न प्रकार की जांचें भी होगी संभव

भरत मानघन्या ● नईदुनिया

दूरदराज के गांवों में स्वास्थ्य सुविधाएं न होने के कारण मरीजों समय पर उपचार नहीं मिल पाता। यदि उपचार मिल भी जाए तो वह प्राथमिक उपचार और आगे के उपचार के लिए मरीजों को शहरों के अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता है। हार्ट से जुड़े मामले में तो ये समस्या और भी बढ़ जाती है। तुरंत कंसलटेशन और उपचार न मिलने पर मरीज की जान जाने का भी खतरा रहता है। गांवों में मरीजों की इसी समस्या को देखते हुए आइआइटी इंदौर में ऐसा डिवाइस तैयार किया गया है, जो तुरंत डाक्टर परामर्श उपलब्ध करवाने में सक्षम होता है। साथ ही इस डिवाइस से मरीजों की विभिन्न जांच भी की जा सकती है।

इंदौर: इस डिवाइस का नाम अन्वेशण है, जिसे भोपाल के अभिषेक चौकसे ने तैयार किया है। आइआइटी इंदौर से उनके स्टार्टअप को इनक्यूबेट किया गया था। अभिषेक बताते हैं कि गांवों में सीमित स्वास्थ्य सुविधाएं होने के कारण मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता।

जांच के लिए भी उन्हें शहर आना पड़ता है। इसी को देखते हुए उन्होंने अन्वेशण डिवाइस तैयार किया। यदि कोई दुर्घटना होती है या मरीज को हार्टअटैक आता है तो इस डिवाइस के माध्यम से मरीज डाक्टर से लाइव जुड़ सकेगा और उसे आपातकालीन स्थिति में आवश्यक उपचार मिल सकेगा। इसके साथ ही डिवाइस के माध्यम से शुगर, बीपी और इसीजी सहित अन्य प्रकार की जांचें भी की जा सकेगी।

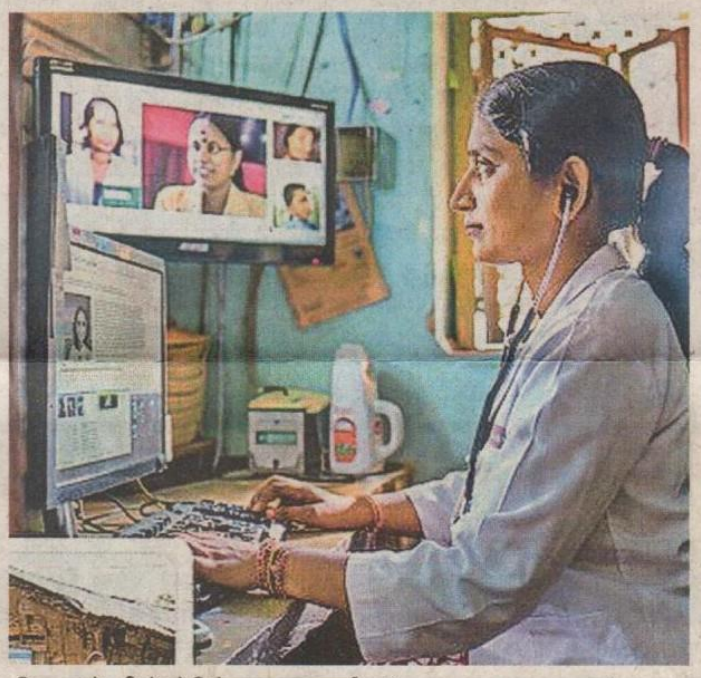

डिवाइस से मरीजों को मिलेगा लाइव परामर्श ● सौजन्य

जांच के लिए अलग-अलग टूल

डिवाइस के जरिए जांच के लिए केवल उन्हीं टूल का उपयोग किया जाएगा, जो सामान्य तौर पर उपयोग होते हैं। जैसे- बीपी की जांच के लिए आर्म कफ, इसीजी की जांच के लिए लीड वायर और शुगर की जांच के लिए नीडल, ताकि रिपोर्ट की सटीकता बरकरार रहे।

1000 गांवों में किया गया सर्वे

अभिषेक चौकसे ने बताया कि यह डिवाइस बनाने के बाद उन्होंने एक हजार गांवों में सर्वे किया था। ताकि यह पता लगाया जा सके कि मरीज आपातकालीन उपचार के किन अस्पतालों पर निर्भर रहते हैं। जैसे- सरकारी, निजी या ऐसे अस्पताल जहां वे सालों से उपचार कर रहे हैं। इस सर्वे रिपोर्ट के आधार पर यह डिवाइस संबंधित अस्पतालों में इंस्टाल किया जाएगा, जिसे अस्पताल में नियुक्त स्वास्थकर्मी ही आपरेट कर सकेंगे और मरीजों को उपचार दे सकेंगे। उदाहरण के लिए यदि किसी को हार्ट अटैक आता है तो

मरीज डिवाइस के माध्यम से संबंधित डाक्टर से लाइव जुड़ सकेगा और डाक्टर स्वास्थकर्मी को निर्देश देंगे, जिससे मरीज को आवश्यक प्राथमिक उपचार मिल जाएगा और जान जाने की संभावना खत्म हो जाएगी।

ये जांच करने में सक्षम

- एनआइबीपी
- आक्सीजन सेचुरेशन
- पल्स रेट
- आरबीएस
- ईएनटी

फैक्ट फाइल

- डिवाइस में मौजूद रहेगी डाक्टरों की जानकारी
- निजी और सरकारी डाक्टरों की लिस्ट होगी मौजूद
- डावाइस हेल्थटेक में देश की 15 इम्पेक्टफुल टेक्नोलाजी में शामिल

ट्रेन में की टेस्टिंग

ट्रेन में भी कई बार आपातकालीन स्थिति बनती है। इसी स्थिति को देखते हुए डिवाइस की ट्रेन में भी टेस्टिंग की गई थी। अभिषेक के अनुसार, आगामी दिनों में उनकी रेलवे मंत्रालय से चर्चा होनी है। यदि वहां से अनुमति मिलती है, तो इसे ट्रेन में भी इंस्टाल किया जा सकता है। इसके साथ ही हवाई मार्ग के लिए भी डिवाइस की टेस्टिंग जारी है। इस डिवाइस का उपयोग मरीज को अस्पताल ले जाते समय एंबुलेंस में भी किया जा सकेगा।

कोरोना काल में सही समय पर उपचार न मिलने के कारण कई लोगों की मौत हुई थी। कुछ मौतें समय पर इलाज न मिलने पर भी हुई। यदि मरीज को सही समय पर उपचार और परामर्श मिल जाए, तो मौत की संभावना को खत्म किया जा सकता है। इसी को देखते हुए इस 2021 में इस डिवाइस पर काम करना शुरू किया और 2023 में यह बनकर तैयार हो गया। अब इसे इंस्टाल करने की प्रक्रिया में जुटे हैं।

– अभिषेक चौकसे, सीईओ, जमना हेल्थकेयर